INDIAN STREAMS RESEARCH JOURNAL
ISSN NO : 2230-7850
IMPACT FACTOR : 5.1651 (UIF)
VOLUME - 13 | ISSUE - 6 | JULY - 2023

निहाली की स्वनिमिक संरचना

डॉ. सौरभ कुमार[1] , डॉ. चन्दन सिंह[2]
[1]सहायक प्राध्यापक, लुप्तप्राय भाषा केंद्र, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, म. प्र.
[2]सलाहकार, भारतवाणी परियोजना, भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, कर्नाटक.

सारांश-

निहाली समुदाय का कोरकू समुदाय से परंपरागत संबंध रहा है। निहाली जनजाति के लोग प्रायः कोरकू जनजाति के गाँवों में या उसके आस-पास बसते हैं। इस कारण से निहाली बोलने वाले बहुत से लोग कोरकू भाषा में भी द्विभाषीय होते हैं। निहाली भाषा में प्रयुक्त अनेक शब्द समीपवर्ती क्षेत्रीय भाषाओं से मिलते-जुलते हैं। इनके अधिकांश शब्द कोरकू एवं मराठी भाषा से लिए गए हैं तथा कुछ शब्द द्रविड़ भाषा परिवार की भाषाओं से भी लिए गए हैं। आधुनिक निहाली में पारंगत लोग मराठी, हिंदी या कोरकू की कई किस्में भी बोलने लगे हैं। निहाली जनजाति का मुख्यतः कार्य खेती एवं मजदूरी करना रहा है। ये कोरकू जनजाति के पास खेती मजदूरी करते हैं जिसका सर्वाधिक प्रभाव उनकी भाषा पर दिखाई देता है।

कुंजी शब्द- निहाली, *हिंदी, अंग्रेज़ी स्वन, स्वनिम, स्वर, व्यंजन, देवनागरी, **IPA**, अक्षर।*

1. परिचय-

निहाली, जिसे नाहाली या कल्टो के नाम से भी जाना जाता है, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र में निवास करने वाली जनजाति है। निहाल मध्य प्रदेश के खंडवा, खरगोन, बड़वानी, धार, हरदा, बुरहानपुर, सीहोर तथा होशंगाबाद आदि जिलों में निवास करते हैं। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के टेम्बी गांव के आसपास ताप्ती नदी के ठीक दक्षिण में ये बहुतायत में निवास करते हैं। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र राज्य के बुलढाणा जिले के गाँवों जैसे- जामोद, सोनबर्डी, कुवरदेव, चलथाना, अंबावरा, वसाली और सिसारी में भी पाये जाते हैं।

निहाली जनजाति द्वारा बोली जाने वाली भाषा को निहाली कहते हैं। यह भारत की लुप्तप्राय भाषाओं में से एक भाषा है। भारतीय जनगणना 1991 के अनुसार पश्चिम-मध्य भारत (मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र) में इस जनजाति की जनसंख्या 5,000 थी जिनमें से केवल 2,000 लोग ही इस भाषा को बोल पाते थे। इनमें से भी अधिकतर द्विभाषिक थे। निहाली भाषा में प्रयुक्त अनेक शब्द समीपवर्ती क्षेत्रीय भाषाओं से मिलते-जुलते हैं। इनके अधिकांश शब्द कोरकू एवं मराठी भाषा से लिए गए हैं तथा कुछ शब्द द्रविड़ भाषा परिवार की भाषाओं से भी लिए गए हैं। साधारण बोलचाल में निहाली भाषा में लगभग 60-70 प्रतिशत शब्द कोरकू के होते हैं। भाषावैज्ञानिकों के अनुसार मूल निहाली शब्दावली के केवल 25 प्रतिशत शब्द ही आज प्रयोग में हैं। विद्वानों द्वारा ऐसी शंका प्रकट की गई है कि अब इस भाषा का कोई भी एकभाषी वक्ता जीवित नहीं बचा है। आधुनिक निहाली में पारंगत लोग मराठी, हिंदी या कोरकू की कई किस्में भी बोलने लगे हैं। निहाली जनजाति का मुख्यतः कार्य खेती एवं मजदूरी करना रहा है। येकोरकू जनजाति के पास खेती मजदूरी करते हैं जिसका सर्वाधिक प्रभाव उनकी भाषा पर दिखाई देता है। भाषाविद निहाली को किसी भी पारंपरिक भाषा परिवार में नहीं रखते इसे एक अन्य श्रेणी **language isolate** की

संज्ञा दी है। इस श्रेणी की भाषा के गुण किसी भी भाषा से नहीं मिलते हैं। परंतु वर्तमान समय में इस भाषा में कई आगत शब्द रूढ हो गए हैं। इसी क्रम में आगत ध्वनियों ने भी इस भाषा को प्रभावित किया है। निहाली भाषा में हो रहे इन्हीं परिवर्तनों का अध्ययन इस आलेख का उद्देश्य है।

2. डाटा संग्रह-

किसी भी भाषा के प्रलेखन के लिए क्षेत्र कार्य के द्वारा आवश्यक डाटा का संकलन अनिवार्य होता है। इस प्रकार से संकलितडाटा को स्रोत सामग्री माना जाता है। ये डाटा आवश्यकतानुसार ऑडियो या वीडियो रिकॉर्डिंग, कॉर्पोरा अथवा किसी अन्य रूप में हो सकते हैं। इस प्रकार संकलित डाटा का ध्वन्यात्मक, रूपात्मक, वाक्य-विन्यास, शब्दार्थ आदि के स्तर पर विश्लेषण किया जाता है। निहाली भाषा के प्रलेखन हेतु क्षेत्रकार्य के द्वारा संकलित डाटा के विषय में जानकारी निम्नवत् है

भाषा परिवार - language isolate
अन्य नाम - **नहाली, कल्टो**
ISO **कोड** - **693-3**
भाषा कोड - nll

आँकड़ा मुक्त वातावरण में ध्वन्यांकित किया गया है। सामग्री संकलन विभिन्न श्रेणी से चयनित1562 शब्दों के माध्यम से किया गया है। इन चयनित शब्दों में संज्ञा (प्रकृति, पृथ्वी, पानी, वायु, आकाश, मनुष्य, रिश्ते, जानवर, चिड़िया, मानव अंग, रोग, कपड़े, गहने, संस्कृति विशिष्ट, घर, खेती, औषधि, व्यवसाय, सड़क परिवहन, शिक्षा, प्रशासन, घर्म, क्रीड़ा, मनोरंजन, संगीत, नृत्य, अभिनय, धातु एवं पत्थर, अंक), क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण, मापन आदि से संबंधित शब्दों का संकलन है।

3. खंडीय-

निहाली भाषा की ध्वन्यात्मक सूची में 40 खंडीय स्वनिम पाए जाते है। इन 40 खंडीय स्वनिम में से 8 स्वर और 32 व्यंजन स्वनिम हैं।

3.1 स्वर- निहाली भाषा में आठ स्वर पाए गए हैं जिन्हें निम्न स्वर तालिका में दर्शाया गया है-

स्वर तालिका

	अगोलीय		**गोलीय**
	अग्र	**मध्य**	**पश्च**
संवृत	i		u
अर्धसंवृत	e		o
अर्धविवृत	□	ə	□
विवृत			a

तालिका संख्या- 1

3.2 व्यंजन- निहाली में कुल 32 व्यंजन स्वनिम हैं जिनका वर्णन निम्न व्यंजन तालिका में दिया गया है-

	द्योष्ठ्य		दंत्योष्ठ	दंत्य		मूर्धन्य		वर्त्स्य	तालव्य		कंठ्य		स्वरयंत्रमुखी
	अघोष	सघोष	सघोष	अघोष	सघोष	अघोष	सघोष		अघोष	सघोष	अघोष	सघोष	अघोष
स्पर्श													
अल्पप्राण	p	b		t	d	□	□		□	□	k	g	
महाप्राण	p^h	b^h		t^h	d^h	$□^h$	$□^h$		$□^h$	$□^h$	k^h	g^h	
नासिक्य		m			n							ŋ	
संघर्षी				s		□						v	h
लुंठित					r	□							
उत्क्षिप्त													
पार्श्विक					l								
अर्ध-स्वर	w									j			

तालिका संख्या -2

3.3 संयुक्तस्वर- संयुक्तस्वर दो स्वरों का ऐसा मिश्रित रूप है, जिसमें दोनों स्वर अपनी स्वतंत्र सत्ता का लोप करके एकरूप हो जाते हैं और श्वास के एक ही वेग में उच्चरित होते हैं। इस दो स्वरों के योग से यह संयुक्तस्वर या मिश्र स्वर बनाता है। इन्हें ही संयुक्तस्वर या द्विस्वर-योग कहते हैं। आँकड़ों के विश्लेषण के उपरांत निहाली भाषा में प्राप्त संयुक्तस्वर के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं-

संयुक्त स्वर	संयुक्त स्वर वाले शब्द	अंग्रेजी	हिंदी
/ai/	/airən/	anvil	निहाई
	/□aim/	time	समय
	/gai/	cow	गाय
/əu/	/pəus/	stream	धारा
/ui/	/sui/	needle	सुई
/au/	/b □aul□s/	husband's brother (elder, younger)	देवर, जेठ
	/d □au/	race	दौड़
/ao/	/gão/	village	गाँव
/iu/	/ʤiuː /	life	जीवन
/ui/	/sui/	needle	सुई
/əo/	/d □əori/	frog	मेढक
/eu/	/deur/	worship room	मंदिर
/ou/	/mouli/	mustard	सरसों
/□o/	/□owə/	ajwain	आजवाइन
/əo/	/nəo/	nine	नौ
/ əi/	/pəisa/	money	रुपया
/ie/	/ie□/	this	यह

तालिका संख्या -3

3.4 व्यंजन समूह- व्यंजन समूह ऐसे दो व्यंजनों का गुच्छ होता है जिनके बीच में कोई स्वर नहीं होता। इन्हें व्यंजन मिश्रण भी कहा जाता है।

3.4.1 सजातीय व्यंजन समूह/गुच्छ-

ऐसे व्यंजन समूह जो एक के बाद एक क्रमिक रूप से परस्पर जुड़े रहते हैं, सजातीय व्यंजन समूह कहलाते हैं। निहाली भाषा में भी ऐसे सजातीय व्यंजन समूह के उदाहरण पाए जाते हैं। कुछ उदाहरण निम्नवत् हैं-

व्यंजन समूह/गुच्छ	IPA में निहाली शब्द	अंग्रेज़ी	हिंदी
/dd/	/kole □ədd̪əo/	harvest festivals	कृषि उत्सव
/□□/	/kə□□a/	raw	कच्चा
/tt/	/m□mbətti/	wax candle	मोमबत्ती
/kk/	/pakka/	ripe	पका
/bb/	/□ □abbu/	blunt	कुंद
/□□/	/a□□akla/	prisoner	बंदी
/ss/	/ləssi/	buttermilk	छास
/□□/	/i□□ət/	respect	सम्मान
/nn/	/□inne/	chisel	छेनी

तालिका संख्या -4

3.4.2 विजातीय व्यंजन गुच्छ : दो या दो से अधिक अलग-अलग व्यंजनों के समूह जो एक दूसरेसे परस्पर जुड़े होते हैं, विजातीय व्यंजन समूह/गुच्छ कहलाते हैं। इस गुच्छ के बीच कोई भी स्वर नहीं होता है। निहाली में उपलब्ध विजातीय व्यंजन गुच्छ के कुछ उदाहरण निम्नवत् हैं-

इन उदाहरणों में शब्द के मध्य स्थल पर व्यंजन गुच्छ को देखा जा सकता है-

मध्य स्थल विजातीय व्यंजन गुच्छ	IPA में निहाली शब्द	अंग्रेज़ी	हिंदी
/-ŋg-/	/wəŋga/	brinjal	बैगन
/-□□^{h}-/	/wi□□^{h}u □an□u/	illi danda	गिल्ली डंडा
/-rb-/	/purba/	east	पूरब
/-ŋ□ □-/	/aŋ□□a/	finer	महीन
/-□□-/	/ki□□ao /	moth	कीट
/-nd- /	/undir /	rat	चूहा
/-□k-/	/lə□ka/	jar	जार
/-nd^{h}-/	/rand □a won/	cook	रसोइया
/-□k- /	/□e□ki /	toad	मेंढक
/-□□^{h}-/	/pə□□ □ra/	weaddig	विवाह
/-nm-/	/□ənma/	birth	जन्म
/-n□- /	/wan□i/	vomit	उल्टी
/-rp-/	/porpə□ □/	rolling board	रोलिंग बोर्ड
/-l□-/	/bil□iŋ/	building	भवन
/-dd □-/	/judd^{h}a/	war	युद्ध

/-n□-/	/nəwətnə pə□/	ninety five	पंचानवे
/-ks-/	/k □alksi /	downwads	अधोगामी
/-k□-/	/dak□in /	south	दक्षिण
/-l□-/	/ul□a/	opposite	उल्टा

तालिका संख्या -5

इन उदाहरणों में शब्द के अंत्यस्थल पर व्यंजन गुच्छ को देखा जा सकता है-

अंत्यस्थल विजातीय व्यंजन गुच्छ	IPA में निहाली शब्द	अंग्रेज़ी	हिंदी
/-mb/	/k □əmb/	pillar	खंभा
/-n□/	/sən□/	evening	संध्या
/-nt □/	/pant □/	but	लेकिन

तालिका संख्या -6

3.5 स्वनिमिक व्यतिरेक- वैसे स्वन जो परस्पर एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त होकर व्यतिरेक उत्पन्न करते हों, उन्हें स्वनिमिक व्यतिरेक कहते हैं। निहाली में प्राप्त स्वनिमिक व्यतिरेक को निम्नलिखित उदाहरणों में देखा जा सकता है-

निहाली	अंग्रेजी/हिंदी	निहाली	अंग्रेजी/हिंदी	निहाली	अंग्रेजी/हिंदी
/ bai/	'wife's elder/younger sister's husband'/साढ़ू	/gai /	cow/गाय		
/k□/	'why'/क्यों	/ t□/	that/वहाँ		
/ t□/	'that'/वहाँ	/te/	They/वे	/ti/	she/वह (स्त्री)
/hiŋ/	'asafoetide'/हिंग	/siŋ/	horn/सिंग		

तालिका संख्या -7

3.6 स्वर स्वनों का वितरण- निहाली भाषा में स्वनों का शब्द के विभिन्न स्थान पर प्रयोग का वितरण निम्नलिखित तालिका में देखा जा सकता है-

स्वर	शब्द के आद्यस्थल पर स्वर निहाली अंग्रेजी/हिंदी	शब्द के मध्य स्थल पर स्वर निहाली अंग्रेजी/हिंदी	शब्द के अंत्यस्थल पर प्रयुक्त स्वर निहाली अंग्रेजी/हिंदी
/i/	/ie□/ this/यह	/tikra/ there/वहाँ	/ak□i/ through/द्वारा
/e/	/ek / 'one/एक	/t□hela/ to/को	/te/ they/वे
/□/		/t□□i/ herself/स्वयं	/k□/ why/क्यों
/ə/		/tət □a/ at/पर	/ijə/ than/की अपेक्षा
/a/	/a□ □/ eight/आठ	/bə□a□a/ potato/आलू	/pudina/ pudina/पुदीना
/u/	/unala/ summer/ग्रीष्म	/dur/ far/दूर	/rutu/ season/ऋतु
/o/	/onsa/ brother's wife/भाभी	/porse/ boy/लड़का	/kəsao/ tortoise/कछुआ
/□/	/□n□ha/ deep/गहरा	/□h□□i/ low tide/भाटा	/ləs pərent□ / until/जब तक

तालिका संख्या -8

/ə/, /□/ केवल शब्द के मध्य एवं अंत्य में आते हैं, शेष सभी स्वर स्वनिम शब्द के प्रारंभ, मध्य एवं अंत में आते हैं

3.7 व्यंजन स्वनिम वितरण-

व्यंजन	प्रारंभ स्थल पर उपस्थित व्यंजन निहाली अंग्रेजी/हिंदी	मध्य स्थल पर उपस्थित व्यंजन निहाली अंग्रेजी/हिंदी	अंतिम स्थल पर उपस्थित व्यंजन निहाली अंग्रेजी/हिंदी
/p/	/por/ boy/लड़का	/□opi / cap/टोपी	/□□p/ cooking pot/बर्तन
/p^h/	/p^hore/ boil/उबालना	/dup^{h}ar/ afternoon/दोपहर	/bərəp □/ ice/बर्फ
/b/	/bə□ən/ button/बटन	/limbu/ lemon/नींबू	
/b^h/	/b^hurkun□i/ ash/राख	/bid □ansab □a/ assembly/विधानसभा	
/t/	/tikəl/ mud/कीचड़	/reti/ sand/बालू	/təbet/ into/अंदर
/t^h/		/hət^{h}i/ elephant/हाथी	/pənt □/ but/लेकिन
/d/	/dibəs/ sun/सूर्य	/nəndəs/ husband's sister/ननद	/□ənd/ moon/चाँद
/d^h/	/d^hul/ dust/धूल	/sand^{h}a/ joint/जोड़	/dud^h/ milk/दूध
/□/	/□aim/ time/समय	/□h□□i/ low tide/भाटा	/□□ikhƏ□/ bitter/कड़वा
/□^{h}/	/□^{h}ikən/ scene (drama)/नाटक	/ko□^{h}a/ where/कहाँ	/se□^{h}/ rich/धनी
/□/	/□oŋri/ forest/जंगल	/K □a□a/ pebble/कंकड़	
/ □^{h} /	/□^{h} on/ stone/पत्थर	/□n□^{h}a/ deep/गहराई	
/k/	/kalok/ new moon/ अमावस्या	/kakas / father's brother/चाचा	/sə□ək/ 'road'
/k^h/	/k^ha□a/ pebble/कंकड़	/ik^{h}ra/ here/यहाँ	/pak^h/ feather/पिता
/g/	/gə□əd/ cave/गुफा	/mogra/ crocodile/मगरमच्छ	/a: g/ fire/आग
/g^h/	/g^ho□a/ horse/घोड़ा	/debg^{h}ər/ worship/पूजा	
/ □/	/□ədne/ star/तारे	/bə□i/ brother's daughter/भतीजी	/□i□/ tamarind/इमली
/ □ □/		/mə□ □li/ fish/मछली	/ga□ □/ noice/शोर
/ □/	/□əwər/ by/द्वारा	/ra□a/ king/राजा	/gə□/ thunder/बिजली

/ □^{h}/	/□^{h}əri/ forest/वन	/mə□ □i/ my/मेरा	
/s/	/səsus/ mother-in-law/सास	/dosti/ friend/मित्र	/as/ mother/माता
/□/	/□əholi/ shade/छाया	/b □a□ija/ language/भाषा	
/m/	/maski/ fly/मक्खी	/mama/ mother's brother/मामा	/murum/ desert/रेगिस्तान
/n/	/nəurat/ husband/पति	/pani/ rain/वर्षा	/soː n/ daughter-in-law/बहु
/ŋ/		/b □uŋgeri/ wasp/ततैया	/hiŋ/ asafoetida/हिंग
/l/	/loni/ butter/मक्खन	/ila□/ treatment/चिकित्सा	/tuwəl/ towel/तौलिया
/r/	/ra□a/ king/राजा	/pu□re/ muscle/ माँसपेशियाँ	/gidər/ jackal/ सियार
/□/		/g □o□a/ horse/घोड़ा	/pə□/ to fall down/नीचे गिरना
/h/	/ha□ar/ thousand/हजार	/paha□a/ to need/जरूरत	
/w/	/wihəni/ 'daughter-in-law's mother/समधिन	/pawun/ three fourth/चौथाई	
/j/		/ijə/ 'then/तो	
/v/	/vaː ra/ air/हवा	/di□əs/ sun/सूर्य	/təla□/ pond/तलाव

तालिका संख्या -9

3.8 अक्षर- जितनी ध्वनियाँ एक साथ उच्चरित होती हैं वे सब परस्पर मिलकर 'अक्षर' का निर्माण करती हैं। एकाधिक ध्वनियों में स्वर के पहले तथा बाद में व्यंजन ध्वनियाँ आ सकती हैं। यदि किसी शब्द में दो स्वर उच्चरित हों तो अक्षरों की संख्या भी दो होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि स्वर के बिना ध्वनियों का उच्चारण संभव नहीं है। शब्द में जितने स्वर होंगे अक्षरों की संख्या भी उतनी ही होगी।

3.8.1 आक्षरिक संरचना- अक्षर की संरचना स्वर के साथ ही होती है। अक्षर में स्वर का प्रमुख स्थान होता है। स्वर अक्षर में केंद्रक कहलाता है, जिसे शीर्ष भी कहते हैं। निहाली भाषा के शब्दों को उनकी संरचना में प्रयुक्त अक्षरों की संख्या के आधार पर एकाक्षरिक, द्वि-आक्षरिक, और त्रि-आक्षरिक के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। उदाहरण-

एकाक्षरिक शब्द- वैसे शब्द जिनमें केवल एक स्वर का उच्चारण हो उन्हें एकाक्षरी शब्द कहते हैं। आँकड़ों से प्राप्त एकाक्षरी संरचना निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है-

आक्षरिक संरचना	निहाली अक्षर IPA	अंग्रेज़ी शब्द	हिंदी शब्द
cv	/te/	they	वे
vc	/as/	mother	माता
vcv	/ajə/	than	तो
cvc	/por /	child	बच्चा

तालिका संख्या- 10

द्वि-आक्षरिक शब्द- वैसे शब्द जिनमें दो स्वरों का उच्चारण हो उन्हें द्वि-आक्षरी शब्द कहते हैं। आँकड़ों से प्राप्त द्वि-आक्षरिक संरचना को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है-

आक्षरिक संरचना	IPA में निहाली शब्द	अंग्रेज़ी शब्द	हिंदी शब्द
vc.cv	/am□i/	our	हमारा
cv.cv	/t□□i/	her	उसकी
v.cvc	/ak □ur/	short	छोटा
cvc.cv	/dusra/	other	अन्य
cv.vc	/pasun/	from	से
vc.cvc	/amba□/	acidity	अम्लता
cvc.cvc	/təmbək/	tobacco	तंबाकू

तालिका संख्या- 11

त्रि-आक्षरिक शब्द- वैसे शब्द जिनमें तीन स्वरों का उच्चारण हो उन्हें त्रि-आक्षरी शब्द कहते हैं। आँकड़ों से प्राप्त त्रि-आक्षरी संरचना को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है-

आक्षरिक संरचना	निहाली अक्षर (IPA)	अंग्रेज़ी शब्द	हिंदी शब्द
cv.cv.cv	/masala/	spice	मसाला
v.cv.cvc	/anənəs/	pineapple	अनानस

तालिका संख्या – 12

4 खंडेतर गुण- किसी स्वन के उच्चारण में स्वर एवं व्यंजन के अतिरिक्त सुर, आघात और वृत्ति का भी प्रयोग होता है, जिन्हें खंडित नहीं किया जा सकता है। इन्हें ही खंडेतर गुण कहा जाता है। कई भाषाओं में ये अर्थ को प्रभावित करते हैं तो कई में इनका प्रभाव न के बराबर होता है। निहाली में भी इनका प्रभाव नहीं देखा गया है।

4.1 अनुनासिकता- स्वरों का उच्चारण करते समय यदि मुँह के साथ-साथ नासिका से भी ध्वनि निकले तो ये ध्वनियाँ नासिक्य कहलाती हैं। स्वर अनुनासिक होते हैं। निहाली में नासिक्य ध्वनियों का उत्सर्जन सामान्य है। अधिकांश स्वरों में एक अनुनासिक प्रतिरूप होता है। नाक बंद होने से पहले या बाद में स्वर अनुनासिक बन जाते हैं। दो नासिक्य ध्वनियों के अवरोध के बीच स्वर भी नासिक्य बन जाते हैं।

स्वन	निहाली शब्द (IPA)	अंग्रेज़ी/हिंदी शब्द	निहाली शब्द (IPA)	अंग्रेज़ी/हिंदी शब्द	निहाली शब्द (IPA)	अंग्रेज़ी/हिंदी शब्द
/ã/	/gã□hi/	ornaments/गहना	/dãt/	teeth/दाँत	/t□ha□/	during/दौरान
/õ/	/tõ/	his/उसका	/p □õre/	pimple/फोड़ा	/sik^{h}lo□/	to learn/सीखना
/ũ/	/ũ□ □/	camel/ऊँट	/sũ□/	dry ginger/सोंठ	/tũ/	you/आप (तुम)
/ □□/	/g□□hu/	wheat/गेंहू				

तालिका संख्या – 13

4.2 दीर्घता- स्वरों के उच्चारण में लगने वाले समय को दीर्घता कहलाता है। सामान्य रूप से यदि उच्चारण में स्वर कम समय ले तो लघु और यदि अपेक्षाकृत अधिक समय ले तो दीर्घ कहलाते हैं। स्वरों के लघु और दीर्घ होने का समय बोलने वाले की प्रकृति पर भी निर्भर करता है। निहाली में /i/,/a/,/u/,/o/, /e/, /o/ स्वर हैं जिन्हें निम्नलिखित उदाहरणों में देखा जा सकता है-

स्वन	निहाली शब्द (IPA)	अंग्रेज़ी/हिंदी शब्द	निहाली शब्द (IPA)	अंग्रेज़ी/हिंदी शब्द	निहाली शब्द (IPA)	अंग्रेज़ी/हिंदी शब्द
/iː /	/i□□ □/	brick/ईंट	/wiː n/	lightning/बिजली चमकना	/biː /	seed/बीज
/əː/	/rəːn□a/	postirute/वेश्या				
/aː /	/ aː kas/	sky/आकाश	/kaːn/	ear/कान		
/ uː /	/uː ja/	'louse/जूं	/tuː p/	ghee/घी	/puː /	pus/मवाद
/eː /	/eː ɾ a/	mad/पागल	/keː s/	case/मामला		
/oː /	/oː s/	suger cane/गन्ना	/soː n/	daughter-in-law/बहू		

तालिका संख्या – 14

4.3 बलाघात- समान्यतः बोलचाल में शब्द और वाक्य पर एक समान बल नहीं दिया जाता है, यह प्रायः बदलते रहते हैं। शब्द या वाक्य पर बल देकर उनका अर्थ बदला जाता है। उपलब्ध आँकड़ों के विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि निहाली भाषा में बलाघात से शब्दों के अर्थ प्रभावित नहीं होते हैं।

5 रूपस्वनिमिक- विभिन्न प्रकार के प्रत्ययों के साथ होने पर रूपीमिक परिवर्तन, ध्वन्यात्मक भिन्नताएँ लिए होती हैं। रूपस्वनिमिक ऐसे ध्वन्यात्मक विविधताओं से संबंधित है। उदाहरण-

निहाली शब्द (IPA)	अंग्रेज़ी/हिंदी शब्द	निहाली शब्द (IPA)	अंग्रेज़ी/हिंदी शब्द
/ghər/	house/घर	/ ghəra /	houses/घरों
/ por/	boy/लड़का	/pori/	girl/लड़की
/nəura /	bridegroom/दूल्हा	/ nəuri/	bride/दुल्हन

तालिका संख्या - 15

6. निष्कर्ष-

संकलित आँकड़ों के विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि निहाली की स्वनिम संरचना मराठी या उसकी अन्य समीपवर्ती बोलियों के समान ही हैं। यद्यपि निहाली भाषा में उच्चारण के स्तर पर तो विषमता परिलक्षित होती है, परंतु अधिकांश शब्द ऐसे पाए गए हैं जो हिंदी, मराठी कोरकू के शब्दों की तरह ही उच्चरित होते हैं। यह एक सर्वमान्य मत है कि प्रत्येक भाषा अपनी समीपवर्ती भाषा से किसी न किसी रूप में प्रभावित अवश्य होती है- चाहे शब्द ग्रहण करने के स्तर पर, उच्चारण के स्तर पर अथवा लेखन के स्तर पर या किसी अन्य रूप में। निहाली भाषा भी इस प्रक्रिया से अछूती नहीं है। निहाली पर मराठी का प्रभाव तो परिलक्षित होता ही है, किंतु इससे कहीं अधिक प्रभाव वहाँ की स्थानीय भाषा कोरकू का दिखाई देता है।

क्षेत्र कार्य के द्वारा निहाली भाषा हेतु संकलित आँकड़ोंके स्वनिमिक विश्लेषण पर कुल चालीस खंडीय स्वनीमों में से आठ स्वर एवं 32 व्यंजन प्राप्त हुए हैं। शब्दों के विश्लेषण में कुल चौदह संयुक्त स्वर प्राप्त हुए हैं। शब्दके आदि में नौ सजातीय व्यंजन गुच्छ, मध्य में उन्नीस विजातीय व्यंजन गुच्छतथा अंत्य स्थान पर कुल तीन विजातीय व्यंजन गुच्छप्राप्त हुए हैं। निहाली में स्वनिमिक व्यतिरेक भी प्राप्त हुए हैं। स्वरों का वितरण आद्यस्थल, मध्य स्थल एवं अंत्य स्थल पर प्राप्त हुए हैं /□/, /ɔ/ स्वरों का आद्य स्थल पर वितरण उपलब्ध नहीं है वही शेष सभी स्वरों का वितरण आद्य, मध्य, अंत्य स्थल पर प्राप्त हुए हैं।/th/, /□ □/, /ŋ/, /□/, /j/ व्यंजन ध्वनि शब्द के आद्य में नहीं प्राप्त हए हैं। /b/, /bh/, /□/, / □h /, /□/, /h/, /w/, /j/ व्यंजन ध्वनि शब्द के अंत्य में प्राप्त नहीं हुएहैं। /□/ अनुनाशिक सहित स्वर ध्वनि शब्द के अंत्य में प्राप्त नहीं हुआ है। /ə:/ स्वर ध्वनि शब्द के मध्य एवं अंत्य में प्राप्त नहीं हुआहै। /aː /, /eː /, /oː / ध्वनि शब्द के अंत्य में नहीं प्राप्त हुएहैं। निहाली में रूप स्वनिमिक संरचना भी प्राप्त हुई है।

संदर्भ-

1. धल, जी. बी. (1981), 'ध्वनि विज्ञान', बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, 195 बी. श्रीकृष्णपुरी, पटना 800001.
2. Anderson, Gregory (2008). The Munda Languages. New York, New York: Routledge.
3. Franciscus Bernardus Jacobus Kuiper, (1962) 'Nahali: a comparative study', Mededeelingen der Koninklijke Nederlandsche Akademie van Wetenschappen, Afd. Letterkunde, N.V. Noord-Hollandsche Uitg. Mij.
4. Nagaraja, K.S. (2014), 'The Nihali Language', Manasagangotri, Mysore-570006, India: Central Institute of Indian Languages.
5. Ohala, Manjari. (1983), 'Aspects of Hindi Phonology', Motilaal Banarsidass. Varanasi 221001.

Link-

1. https://en.wikipedia.org/wiki/Nihali_language
2. https://www.endangeredlanguages.com/lang/nll#sources_popup_wrapper
3. https://www.ethnologue.com/language/nll/
4. https://www.ethnologue.com/language/nll/#population
5. https://www.ethnologue.com/subgroup/79/